



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 568]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 7, 2010/आश्विन 15, 1932

No. 568]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 7, 2010/ASVINA 15, 1932

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)

(केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 2010

सा.का.नि. 821(अ).—भारतीय वायलर विनियम, 1950 के कतिपय विनियमों में और संशोधन करने के लिए केन्द्रीय सरकार भारतीय वायलर अधिनियम, 1923(1923का 5) की धारा 31 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 17 मई, 2010 में भारत का वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय(केन्द्रीय वायलर बोर्ड) की अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि.409 (अ) तारीख 13 मई 2010 द्वारा प्रकाशित की गई थी जिससे ऐसे व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, से पैंतालीस दिन की अवधि समाप्त होने के पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 19 मई 2010 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट संशोधन के संबंध में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर विभिन्न व्यक्तियों और पणधारियों से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर सम्यक रूप से विचार कर लिया गया है ;

अतः अब केन्द्रीय वायलर बोर्ड, भारतीय वायलर अधिनियम, 1923(1923का 5) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय वायलर विनियम 1950 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.— (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय वायलर (संशोधन) विनियम, 2010 है ।

(2). ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. भारतीय वायलर विनियम, 1950 में (जिन्हें इनमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है), विनियम 2 में , --

(i) उपनियम (ख का लोप किया जाएगा ;

(ii) उपविनियम (ख) के पश्चात निम्नलिखित अंतस्थापित किया जायगा, अर्थात्:--

“ (खख) ” “ मूल्यांकन समिति” से केन्द्रीय वायलर बोर्ड द्वारा गठित समिति अभिप्रेत है जिसमें निम्नलिखित होंगे:

(क) तकनीकी सलाहकार(वायलर)--अध्यक्ष ;

(ख) राज्यों से पांच मुख्य निरीक्षक या निदेशक बॉलयर (जिसके अंतर्गत उन राज्यों के मुख्य निरीक्षक या निदेशक बायलर भी है जिसमें आवेदक फर्म या कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय अवस्थित है - सदस्य :

(ग) केन्द्रीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले बोर्ड, या भारतीय मानक ब्यूरो या बॉयलर और बॉयलर संगठक के विनर्माता या राष्ट्रीय प्रयोगशाला या इंजिनियरी परामर्शी अधिकरण या अन्य बॉयलर उपयोग कर्ताओं और अन्य हितबद्ध का प्रतिनिधित्व करने वाले 5 सदस्य :

टिप्पण : सचिव, केन्द्रीय बायलर बोर्ड सदस्यों को नामनिर्दिष्ट करेगा ;

(iii) उपविनियम (ग) का लोप किया जायगा ;

(iv) उपविनियम (ग ग) के पश्चात् निम्नलिखित अंतस्थापित किया जायगा, अर्थात्:--

“ (गगग) “ केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड परीक्षण स्थाई समिति” से केन्द्रीय बायलर बोर्ड द्वारा गठित समिति अभिप्रेत है जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

(क) तकनीकी सलाहकार बॉलयर - अध्यक्ष

(ख) राज्यों से दूर मुख्य निरीक्षण या निदेशक बॉयलर

(ग) बोर्ड से भारत सरकार या भारतीय मानक ब्यूरो या बॉयलर और बॉलयर संगठक विनर्माताओं या राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं या इंजिनियरिंग परामर्शी अभिकरण या बॉयलर के उपयोगकर्ताओं और अन्य हितबद्ध व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो सदस्य ; । ;

टिप्पण :- सचिव, केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड सदस्यों को नामनिर्दिष्ट करेगा ;”;

(v) उपविनियम (घ) का लोप किया जाएगा

(vi) उपविनियम (घघ) का लोप किया जाएगा ;

(vii) उपविनियम (च) का लोप किया जाएगा ;

(viii) उपविनियम (छ) का लोप किया जाएगा ;

(ix) उपविनियम (ज) का लोप किया जाएगा ;

(x) उपविनियम (ट) का लोप किया जाएगा ;

(xi) उपविनियम (ड) का लोप किया जाएगा ;

(xii) उपविनियम (ढ) का लोप किया जाएगा ;

(3) उक्त विनियम के विनियम 4क के उपविनियम (1) में, “उद्योग मंत्रालय (उद्योग विकास विभाग)” शब्दों और कोष्ठकों के स्थान पर, “वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग)” शब्द और कोष्ठक रखे जाएंगे ।

4 उक्त विनियम के विनियम के 4ख के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“4ख मूल्यांकन समिति या आकलन समिति द्वारा आवेदन की संवीक्षा :-

(1) सचिव, केन्द्रीय बायलर बोर्ड, विनियम 4क के उपविनियम (2) के अधीन प्राप्त निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए आवेदनों के सिवाए सभी आवेदन मूल्यांकन समिति को विनियम 4क के उपविनियम (2) के अधीन प्रश्नावली के उत्तरों के साथ भेजेगा।

(2) निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में मान्यता के लिए सभी आवेदनों उनकी प्रश्नावली के उनके उत्तर के साथ आकलन समिति को भेजेगा

(3) मूल्यांकन समिति या आकलन समिति यथास्थिति, उपविनियम (1) के अधीन सभी आवेदनों और उनकी प्रश्नावली से उनके उत्तर का परीक्षण करेगी, और -

(i) जहां आवेदन सक्षम प्राधिकारी या निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में मान्यता के लिए किया गया है यथास्थिति, मूल्यांकन समिति या आकलन समिति (क) किसी आवेदक को, यदि वह आवश्यक समझती है तो उक्त समिति द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त जानकारी के लिए स्पष्टीकरण देने के लिए बुला सकेगी, (ख) ऐसी फर्म से लिखित में विनिर्दिष्ट अनुरोध प्राप्त होने पर आवेदक फर्म के किसी निरीक्षण के लिए या आकलन समिति द्वारा या उक्त फर्म के अनुपालन का मूल्यांकन करने के लिए आकलन समिति या मूल्यांकन समिति द्वारा इस प्रकार विनिश्चय किया जाता है और इस प्रयोजन के लिए आकलन समिति द्वारा आवेदक फर्म के निरीक्षण के लिए तीन सदस्य को नियुक्त कर सकेगी ;

(ii) जहाँ आवेदक सुविख्यात सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला, सुविख्यात स्टील निर्माता, सुविख्यात ढलाई या फोर्ज, सुविख्यात नलिका या पाइप निर्माता या सुविख्यात अवशेष जीवन निर्धारण संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए आवेदक हैं, मूल्यांकन समिति ऐसी सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला और अवशेष जीवन निर्धारण संगठन या ऐसे स्टील निर्माता के कारखाने, ढलाई या फोर्ज और नलिका या पाइप निर्माता के निरीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण करेगी, जहां परीक्षण करने और विनिर्मित उत्पाद की क्वालिटी का अनुपालन का मूल्यांकन करने के क्रम में जांच और विनिर्माण क्रियाकलाप किए जाते हैं ।

4. यथास्थिति मूल्यांकन समिति या आकलन समिति अपना समाधान के पश्चात् कि उपविनियम (1) और उपविनियम (2) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाएँ पूरी होती हैं, अपनी सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट संपर्क उपसमिति को भेजेगी।”।

5 उक्त विनियम के विनियम 4 के उपविनियम (1) में, “मूल्यांकन समिति” के शब्दों के स्थान पर “मूल्यांकन समिति या आकलन समिति” शब्द रखे जाएंगे ।

6 उक्त विनियम में विनियम 4 ज के पश्चात् निम्नलिखित विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“ 4. आकलन समिति इन विनियमों के उपबंधों के अनुसरण में निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में मान्यता के लिए आवेदन करने वाली किसी फर्म के क्रियाकलापों का निम्नलिखित क्षेत्रों में विशिष्टता मूल्यांकन करेगी, अर्थात् :-

(i) फर्म या कंपनी एक रजिस्ट्रीकृत अस्तित्व होगा और इसका प्रचालन भारत में होगा और अस्तित्व भारत में रजिस्ट्रीकृत होगा ;

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए यह घोषणा की जाती है कि एकमात्र स्वतःधारी फर्म निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में मान्यता के लिए आवेदन करने के पात्र नहीं है ।

(ii) फर्म या कंपनी भारतीय या अंतरराष्ट्रीय कोड और मानकों के अधीन निरीक्षण, प्रमाणीकरण और उससे संबंधित क्रियाकलापों से भिन्न किसी वाणिज्यिक क्रियाकलापों में अंतर्बलित नहीं होगी ;

(iii) फर्म या कंपनी अपने यहां डिजाइन और आरेखण निरीक्षण कार्यालय रखेगी और भारत में प्रचालन के लिए अपने डिजाइन और आरेखण निरीक्षण कार्यालय भारत में ही रखेगी ;

(iv) फर्म या कंपनी इनके कार्यालय में विभिन्न संहिताएं रखेगी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संहिताओं के ज्ञान के साथ-साथ बायलर अधिनियम, 1923 और भारतीय बायलर विनियम, 1950 का ज्ञान रखेगी ;

(v) फर्म या कंपनी भारत में प्रचालन के लिए केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकरण कार्ड रखने वाले व्यक्तियों को नियुक्त करेगी ;

(vi) फर्म या कंपनी भारतीय बायलर विनियम, 1950 के अनुसार निरीक्षण अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए एक दस्तावेजी क्वालिटी कार्यक्रम दस्तावेज रखेगी और उसका अनुक्षण करेगी ;

(vii) फर्म या कंपनी अपने निरीक्षण के लिए और बायलरों के प्रमाणीकरण के लिए सभी और प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को नियोजित रखेगी ;

(viii) फर्म या कंपनी सक्षम व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगी ;

(ix) फर्म या कंपनी भारत में निरीक्षण प्राधिकारी के निमित्त भारतीय बायलर विनियम प्ररूपों पर हस्ताक्षर करने को प्रत्येक राज्य के लिए अधिक से अधिक दो सक्षम व्यक्तियों को अलग से प्राधिकृत करेगी ।” ।

7. उक्त विनियम में, विनियम 4 झ के पश्चात् निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ 4 ज सक्षम व्यक्तियों की मान्यता के लिए प्रक्रिया ”

(1) प्रस्तावना :-

(क) यह विनियम में किसी सक्षम व्यक्ति के रूप में कार्य करने को केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकरण की समरूप अर्हताएं, परीक्षा, प्रचालन या नवीकरण के लिए अपेक्षाओं का उपबंध करता है;

(ख) अभ्यर्थी को केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकार प्राप्त करने के लिए अर्हित इन अपेक्षाओं का पूरा करना होगा;

(ग) सक्षम व्यक्ति बायलर अधिनियम के अधीन संपूर्ण भारत वर्ष में विनिर्माण, स्थापना, प्रचालन और अनुक्षण के दौरान बायलरों का निरीक्षण और प्रमाणीकरण करने का अनुज्ञात हो सकेंगे ।

(2) न्यूनतम अर्हताएं और अनुभव:-

(क) बायलर के प्रचालन और अनुक्षण का न्यूनतम दो वर्ष का अनुभव के शर्त के अधीन न रहते हुए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से मैकेनिकल इंजीनियरी में स्नातक होगा ;

(ख) बायलर के प्रचालन और अनुक्षण का न्यूनतम दो वर्ष का अनुभव के शर्त के अधीन न रहते हुए बायलर से संबंधित निम्नलिखित क्षेत्रों में एकल या संचयी पांच वर्ष का अनुभव रखता हो , -

(i) डिजाइन ;

(ii) विनिर्माण ;

(iii) प्रवर्तन ;

(iv) प्रचालन और निरीक्षण ;

(v) विनिर्माण के दौरान निरीक्षण और प्रमाणीकरण या प्रचालन और अनुक्षण ;

(vi) उच्च ताप वैल्विंग निरीक्षण ;

(ग) आईएसएनटी से या अविनाशक पद्धति में आईएसएनटी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य वृत्तिक निकाय से रेडियोग्राफी और अल्ट्रासोनिक परीक्षण में स्तर-2 एनडीटी प्रमाण पत्र

(3) केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा प्रक्रिया --

(1) केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा स्थायी समिति या कोई अभिकरण या उसके द्वारा प्राधिकृत क्षेत्रीय परीक्षा स्थायी समिति निम्नलिखित पद्धति के अनुसार परीक्षा संचालित करेगा, अर्थात् :-

(क). लिखित परीक्षा में डिजाइन, विनिर्माण, प्रचालन और बायलर का अनुक्षण, विध्वसात्मक परीक्षण तकनीक, विनिर्माण के दौरान बायलरों का निरीक्षण और प्रमाणीकरण और भारतीय बायलर विनियम के अनुसार उसका उपयोग अंतर्विष्ट होगा ;

(ख) उपर्युक्त में मौखिक के लिए अंकों का 30 प्रतिशत को वरीयता होगी ;

(ग) केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा में पास होने के पश्चात् अभ्यर्थियों को उत्तीर्ण ग्रेड प्रमाणपत्र जारी कर सकेगा ;

(घ) अभ्यर्थी को परीक्षा में पास होने के क्रम में लिखित परीक्षा के साथ साथ मौखिक में कम से कम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे ;

(ii) केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आवेदन केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा स्थायी समिति द्वारा यथा उपबंधित रूप विधान में ऐसे स्थान और समय पर जो केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा स्थायी समिति या कोई अधिकरण या उसके द्वारा प्राधिकृत क्षेत्रीय परीक्षा समिति द्वारा विनिश्चित किया जाए, में किया जाएगा ।

(4) केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकरण प्रक्रिया

(i) सक्षम व्यक्ति हितों में विरोध के बिना कार्य का निष्पादन करेगा ;

(ii) केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकरण के लिए किसी आवेदक को निम्नलिखित अपेक्षाएं पूरी करनी होगी, अर्थात् :-

(क) आवेदक को नियमित नियोजन में होना और किसी केन्द्रीय बायलर बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त निरीक्षण प्राधिकरण द्वारा अनन्य रूप से नियोजन में होगा ;

(ख) आवेदक इस विनियम के उपविनियम (2) में यथाविनिर्दिष्ट न्यूनतम अर्हताओं और अनुभव की अपेक्षाओं को पूरा करेगा

(ग) आवेदक इस विनियम के उपविनियम (3) में यथाविनिर्दिष्ट में केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा में भाग लेगा और उत्तीर्ण करेगा ;

(घ) आवेदक केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा पास करने तीन वर्षों के पश्चात् किसी प्राधिकार के लिए आवेदन नहीं करेगा और किसी व्यक्ति को जिसे तीन वर्ष की अवधि के भीतर प्राधिकार जारी नहीं किया गया है, को केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा देने की अपेक्षा होगी और उत्तीर्ण श्रेणी प्राप्त करेगा ; और

(ङ) सक्षम व्यक्ति के लिए अधिकतम आयु 65 वर्ष होगी परंतु वह व्यक्ति चिकित्सक दृष्टया योग्य है

(iii) (क) जब आवेदक उपविनियम (4) के खंड (ii) में विनिर्दिष्ट पात्रता अपेक्षाएं पूरा करता है और आवेदक के नियोजक के अनुरोध पर केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकार कार्ड प्रमाण पत्र जारी होगा

(ख) किसी प्राधिकार के लिए आवेदन केन्द्रीय बायलर बोर्ड से प्राप्त प्ररूप पर होंगे ;

(ग) सक्षम व्यक्ति केवल एक नियोजक के लिए विधि मान्य प्राधिकार कार्ड सूची रख सकेगा ;

3923 GI/10-2

(iv) (क) प्रत्येक प्राधिकार प्रमाणपत्र की विधिमान्यता को इसे जारी करने की तारीख से 3 वर्ष या नियोजक निरीक्षण प्राधिकरण की मान्यता की विधिमान्य अवधि के साथ आरंभ, इसमें से जो भी पूर्वतर हो, होगी ।

(ख) सक्षम व्यक्ति, केन्द्रीय बायलर बोर्ड से मान्यता प्राप्त निरीक्षण प्राधिकारी के नियमित नियोजन में होगा जिसके न होने पर प्राधिकार व्यपगत हो जाएगा ;

(ग) यदि सक्षम व्यक्ति नियोजन छोड़ता है तो, केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकरण कार्ड 7 दिनों के अवधि के भीतर सचिव, केन्द्रीय बायलर बोर्ड को निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा अभ्यर्पित करना होगा ;

(घ) सक्षम व्यक्ति के नियोजक द्वारा की गई नवीकरण के लिए किया गया अनुरोध और अनुरोध यह प्रमाणित करेगा कि सक्षम व्यक्ति, निरीक्षण कार्यकलापों के पालन या उनके पर्यवेक्षण द्वारा प्रवीणता बनाए रखता है और व्यक्तिगत रूप से इस उपविनियम के खंड (च) में दी गई लगातार अद्यतन अपेक्षाओं को पूरा करती है ;

(ङ.) नियोजन में परिवर्तन पर, सक्षम व्यक्ति के वर्तमान नियोजक द्वारा प्राधिकरण कार्ड के लिए कोई निवेदन केन्द्रीय बायलर बोर्ड से प्राप्त प्ररूपों पर होगा ।

(च) केन्द्रीय बायलर बोर्ड द्वारा प्राधिकृत प्रत्येक सक्षम व्यक्ति कम से कम प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार केन्द्रीय बायलर बोर्ड सेमिनार में उपस्थित होगा या निरीक्षण से संबंधित अन्य अनुदेशों का प्राप्त करेगा तथा अनुदेश किसी भी रूप विधान में उदाहरणार्थ कक्षा, गृह अध्ययन या वेब आधारित हो सकेंगे ; विषयों के अंतर्गत निरीक्षण प्रक्रिया से सुसंगत कोई विषय जैसे, नई पद्धतियां, उत्पाद, सामग्री, तकनीकी या संनिर्माण या मरम्मत संहिता में परिवर्तन आदि है ;

(छ) कोई व्यक्ति जिसका प्राधिकार पांच वर्ष या उसके अन्धून के लिए नवीकरण नहीं हो सका है, नियोजक से उचित आवेदन पर प्राधिकार पुनः स्थापित कर सकेगा ;

(ज) नियोजक खंड (च) में यथाउद्धृत सतत् उन्नयन का सत्यापन करेगा ;

(झ) किसी व्यक्ति जिसका प्राधिकार का नवीकरण पांच वर्ष से अधिक से नहीं हुआ है से केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा देना अपेक्षित होगा और उसमें उत्तीर्ण ग्रेड प्राप्त करना होगा ।

(v) (क) किसी केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकार का प्रतिसंहरण किसी आवेदन में अंतर्विष्ट किसी कथन के मिथ्याकरण के लिए सचिव, केन्द्रीय बायलर बोर्ड द्वारा किया जा सकेगा तथापि व्यक्ति, सचिव, केन्द्रीय बायलर बोर्ड को पुनःविचार के लिए निवेदन कर सकेगन ;

(ख) किसी मूल्यांकन से प्रकट होता है कि किसी केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकृत सक्षम व्यक्ति ने अपने कर्तव्यों में उपेक्षा की है या अपने कर्तव्यों के दस्तावेजीकरण करने के लिए प्रयुक्त प्ररूपों पर मिथ्याकथन किया है, इस प्रयोजन के लिए बनी किसी केन्द्रीय बायलर बोर्ड समिति मूल्यांकन करेगी और सचिव, केन्द्रीय बायलर बोर्ड को उचित कार्रवाई करने के लिए सिफारिश करेगी, सचिव, केन्द्रीय बायलर बोर्ड अंतिम विनिश्चय लेगा ।

(ग) यदि कोई व्यक्ति, सचिव, केन्द्रीय बायलर बोर्ड के किसी विनिश्चय से व्यथित होता है व्यक्ति को केन्द्रीय बायलर बोर्ड को अपील करने का अधिकार केन्द्रीय बायलर बोर्ड के सचिव के द्वारा होगा और ऐसी अपील ऐसे विनिश्चय की तारीख से तीस दिनों के भीतर होगी ;

(घ) केन्द्रीय बायलर बोर्ड का विनिश्चय बाध्यकारी होगा ;

(v) किसी व्यथित व्यक्ति द्वारा --

(i) इस अधिनियम द्वारा या उसके अधीन प्रदत्त किसी शक्ति के प्रयोग में कोई सक्षम व्यक्ति किसी आदेश को करता है या किया जाना तात्पर्यित है ; या

(ii) कोई सक्षम व्यक्ति किसी आदेश को करने या प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार करता है जिसे उसे करने के लिए अधिनियम के द्वारा या उसे जारी करने के लिए सशक्त किया गया है ऐसे आदेश या इंकार को उसे संसूचित करने की तारीख से तीस दिनों के भीतर उस राज्य के मुख्य निरीक्षक, बायलर जिस में वह बायलर उपस्थित है, को आदेश या इंकार के विरुद्ध अपील कर सकेगा ;

(vi) केन्द्रीय बायलर बोर्ड परीक्षा स्थायी समिति द्वारा स्थापित कोई फीस प्रत्येक प्राधिकार जारी, नवीकरण करने या पुनर्स्थापन करने के लिए संदत्त करनी होगी ।

5. केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकार संख्यांक का उपयोग -- केन्द्रीय बायलर बोर्ड प्राधिकार संख्यांक उसके द्वारा उपयोग किए गए प्रत्येक भारतीय बायलर विनियम प्ररूपों में अभिलिखित होगी और मदों के निरीक्षण तथा निरीक्षण के सबूत के रूप में निरीक्षित और स्टांपित होगी और प्राधिकार संख्या सक्षम व्यक्ति की डायरी में भी प्रविष्टि होगी ।

6. सक्षम व्यक्ति की डायरी --

(i) प्रत्येक सक्षम व्यक्ति नई संनिर्माण क्रियाकलापों, कार्यरत निरीक्षण और मरम्मत तथा भारतीय बायलर विनियम के अधीन परिवर्तन में अंतर्वलित होगा, प्रत्येक क्रियाकलाप के लिए केन्द्रीय बायलर बोर्ड से एक पृथक डायरी प्राप्त करेगा ;

(ii) डायरी के लिए अनुरोध अपने नियोजक के माध्यम से निरीक्षण प्राधिकरण को भेजनी होगी ;

(iii) डायरी अनिवार्य रूप से जिल्दबंद होगी, डायरी का प्रयोजन सक्षम व्यक्ति के क्रियाकलापों का अभिलेख उपलब्ध कराना और निरीक्षण के निरंतरता का समर्थन होगा

(iv) सक्षम व्यक्ति की डायरी नियोजक निरीक्षण प्राधिकरण की संपत्ति है और निरीक्षण के स्थान पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध होगी ।

(v) डायरी अंतिम प्रविष्टि की तारीख से पांच वर्ष की अन्यून अवधि के लिए अनिवार्य रूप से रखी जाएगी और सम्यक क्रम में जानकारी डायरी का अनुसूचण डाइजैस्ट प्ररूप में आनलाइन प्रविष्टियों के उपबंध के साथ होगा ।

(7) क. सक्षम व्यक्तियों के कर्तव्य और उत्तरदायित्व - (i) सक्षम व्यक्ति और स्वामी किसी बॉयलर के लिए नियत निरीक्षण की तारीख के बाबत अग्रिम रूप से कम से कम तीस दिन पहले संबद्ध राज्य के मुख्य निरीक्षक को सूचना देगा ;

(ii) निरीक्षण पुस्तिका का ज्ञापन संबद्ध बॉयलर निरीक्षणालय से कार्यरत बॉयलरों के लिए निरीक्षण प्राधिकारी के माध्यम से प्राप्त होंगे जिसे अंतिम निरीक्षण पूर्ण होने की तारीख से पांच दिनों की अवधि के भीतर वापस होगा ;

(iii) सक्षम व्यक्ति विभिन्न प्रस्तरों पर निम्नलिखित कर्तव्यों का निर्वहन करेगा, अर्थात् :-

I. विनिर्माण, परिनिर्माण और प्रवर्तन के दौरान निरीक्षण,-

(क) भारतीय बॉयलर विनियम में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार बॉयलरों के विनिर्माण, परिनिर्माण और प्रवर्तन के दौरान निरीक्षण के लिए निरीक्षण प्राधिकारी के समाधानप्रद कार्य करना ;

(ख) भारतीय बॉयलर विनियम के उपाबंध (ज) में दी गई प्रक्रिया के अनुसार विनिर्माण और परिनिर्माण के दौरान निरीक्षण ;

II. कार्यरत निरीक्षण,-

(क) सत्यापन चाहे वह स्टॉपन या नामपट्टिका सुस्पष्ट है और निरीक्षण दस्तावेजों पर वर्णित मदों का अभ्यावेदन करती है ;

(ख) बाह्य और आंतरिक निरीक्षण करना और किसी अपेक्षित दाब जांचों का करने का साक्ष्य देना ;

(ग) बॉयलर की स्वामी को विहित रीति में निरीक्षण परिणामों की रिपोर्ट करना जिसके अंतर्गत अननरूप दशाएं भी हैं ।

III. भारतीय बॉयलर विनियम के अधीन मरम्मत और परिवर्तन,-

(क) यह सत्यापन करना कि बॉयलर के स्वामी ने मुख्य निरीक्षक को सूचना दी है और प्रमाणपत्र की परिधि के अधीन या संरचनात्मक परिवर्तन परिवृद्धि या उसके पर्यवेक्षण के अधीन नवीकरण की कार्यवाही अनुज्ञात हैं ।

(ख) सत्यापन करना कि बॉयलर का मरम्मतकर्ता भारतीय बॉयलर विनियम के अधीन विधिमान्य प्रमाणपत्र रखता है ।

(ग) भारतीय बॉयलर विनियम की अपेक्षाओं के अनुपालन में क्वालिटी नियंत्रण प्रणाली को मानीटर करना और पद्धति को प्रमाणित करना ।

(घ) भारतीय बॉयलर विनियम के अनुपालन में सभी सामग्री का सत्यापन करना ।

(ङ) प्रमाणित करना कि भारतीय बॉयलर विनियम के अनुरूप सभी वैल्विंग प्रणाली के विनिर्देश, प्रक्रिया अर्हता अभिलेख और बैल्डर या बैल्विंग प्रचालन अभिलेख के अनुरूप हैं ।

(च) प्रमाणित करना कि भारतीय बॉयलर विनियम के अधीन अपेक्षाओं के अनुरूप ताप उपचार किए गए हैं और उचित दस्तावेजीकरण किया गया है ।

(छ) प्रमाणित करना कि भारतीय बॉयलर विनियम के अधीन अपेक्षा के अनुसार अविध्वंशात्मक परीक्षण और जांच की गई हैं और उनका उचित दस्तावेजीकरण किया गया है ।

(ज) भारतीय बॉयलर विनियम के अधीन अपेक्षा के अनुसार साक्षी दबाव जांच की गई है ।

(झ) सत्यापन करना कि भारतीय बॉयलर विनियम रिपोर्ट प्ररूप में सही जानकारी दी गई है और की ब्यौरे उचित रूप से पंच किए गए हैं ।

(ञ) सत्यापन करना कि स्टॉप सही है ।

ख. निरीक्षण शुल्क - सक्षम व्यक्ति संबद्ध राज्य के लिए विहित फीस से कम नहीं होगी के अधीन रहते हुए निरीक्षण के लिए फीस प्रभार्य कर सकेगा ।

(8) केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड निरीक्षण अपेक्षाएं :- निरीक्षण विनियम 375 से 395छ और भारतीय बॉयलर विनियम के संबंधित प्रमाणपत्र के अनुसार किए जाएंगे जो निम्नलिखित को जारी किया गया है, अर्थात् :-

(1) बॉयलर निरीक्षण के लिए :

(क) निरीक्षण के दिन पर बॉयलर के स्वामी को एक कापी देनी होगी ;

(ख) एक प्रति मुख्य निरीक्षक को निरीक्षण पुस्तिका के ज्ञापन (प्ररूप 1) के साथ दी जाएगी ;

(ग) एक प्रति बुक में शेष रहेगी ।

(2) विनिर्माण के दौरान निरीक्षण करने के लिए :

(क) एक प्रति विनिर्माता को देनी होगी ;

(ख) एक प्रति निरीक्षण प्राधिकारी के पास शेष रहेगी ।

(3) परिनिर्माण के दौरान निरीक्षण करने के लिए :

(क) एक प्रति बॉयलर के स्वामी को देनी होगी ;

(ख) एक प्रति मुख्य निरीक्षक को देनी होगी ;

(ग) एक प्रति निरीक्षण प्राधिकारी के पास शेष रहेगी ।

8. उक्त विनियम के विनियम 4, 13, 14, 24, 26, 27, 56क, 73, 76, 79, 80, 151, 176, 237, 240, 248, 257, 258, 268, 290, 337, 536क, 561, 601, प्ररूप 2, 2क, 2ख, 3ग, 3छ, 7, 15क और 17 तथा परिशिष्ट ज और ठ में “ निरीक्षण अधिकारी” या “ निरीक्षण अधिकारियों” शब्द, के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “ सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ।

9. उक्त विनियम के विनियम 21, 22, 25, 32 और 360 में “ निरीक्षक या निरीक्षण अधिकारी” शब्द, के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “ सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ।

10. उक्त विनियम के विनियम 35, 89, 281, 330, 376, 378, 417, 526, 561 और परिशिष्ट घ में “निरीक्षक” शब्द के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “ सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ।

11. उक्त विनियम के विनियम 4 के उपविनियम (ख) के खंड (ii) और विनियम 172क में “मुख्य निरीक्षक” शब्द के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “निरीक्षण प्राधिकारी” शब्द रखे जाएंगे ।

12. उक्त विनियम के विनियम 151, 337, 360, 362 366 और 379 के उपविनियम (ड) में “मुख्य निरीक्षक” या “मुख्य निरीक्षक बॉयलर” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “ यथास्थिति, निरीक्षण प्राधिकारी या मुख्य निरीक्षक” शब्द रखे जाएंगे ।

13. उक्त विनियम के विनियम 320 में “ विनिर्माणकर्ता राज्य के मुख्य निरीक्षक /निदेशक बॉयलर” या “मुख्य निरीक्षक बॉयलर” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “निरीक्षण प्राधिकारी” शब्द रखे जाएंगे ।

14. उक्त विनियम के विनियम 379 में,-

(i) उपविनियम (छ), (ज), (ज) और (ड) में “निरीक्षक” शब्द या “ निरीक्षकों” शब्द के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “ सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ।

3923 GI/10-3

(ii) उपविनियम (ड) में “मुख्य निरीक्षक” शब्द के स्थान पर, “यथास्थिति, मुख्य निरीक्षक या निरीक्षण प्राधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

15. उक्त विनियम के विनियम 386 में,-

(i) उपविनियम (ख) में “निरीक्षकों” शब्द के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) उपविनियम (ग) में,-

(i) आरंभिक भाग में “निरीक्षकों” शब्द के स्थान पर, “यथास्थिति, निरीक्षक या सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) अंतिम भाग में “निरीक्षकों” शब्द के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

16. उक्त विनियम के विनियम 390 में “निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, [उपविनियम (ग) के दूसरे पैरा के सिवाय,] “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

17. उक्त विनियम के विनियम 292 के उपविनियम (7) के स्थान पर निम्नलिखित उपविनियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“ (7) मरम्मतकर्ता, अधिनियम या विनियम के उपबंधों का उल्लंघन जानबूझकर या बिना जानबूझकर किया जाना पाता है फर्म को सभी राज्य और संघ राज्यक्षेत्रों के मुख्य निरीक्षक या बॉयलर निदेशक और सचिव केन्द्रीय बॉयलर बोर्ड को सूचना के अधीन काली सूची में डाल दिया जाएगा और किसी दशा में उसका नवीकरण नहीं होगा।”।

18. उक्त विनियम के विनियम 392क में,-

(क) उपविनियम (क) के खंड (1) में “निरीक्षक” शब्द दो स्थानों पर आते हैं के स्थान पर, “यथास्थिति, निरीक्षक या सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) उपविनियम (घ) में “निरीक्षक” शब्द के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

19. उक्त विनियम के विनियम 393 के उपविनियम (ग) में “निरीक्षक” शब्द के स्थान पर, “यथास्थिति, निरीक्षक या सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

20. उक्त विनियम के विनियम 394 में “निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, [उपविनियम (ग) के पहले पैरा के सिवाय,] “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

21. उक्त विनियम के विनियम 395 के उपविनियम (क) में “बॉयलर के निर्माण से पहले या बॉयलर के रजिस्ट्रीकरण के समय मुख्य निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर, “बॉयलर के निर्माण से पहले मुख्य निरीक्षण प्राधिकारी या बॉयलर के रजिस्ट्रीकरण के समय मुख्य निरीक्षक” शब्द रखे जाएंगे।

22. उक्त विनियम के विनियम 395घ के उपविनियम (क) में “राज्य के मुख्य निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर, जहां-जहां वे आते हैं, “निरीक्षण प्राधिकारी” शब्द रखे जाएंगे।

23. उक्त विनियम के विनियम 503 में “निरीक्षण अधिकारी” और “निरीक्षण अधिकारी/अपने जांच गृह प्रबंधक” शब्दों के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

24. उक्त विनियम के विनियम 527 में “निरीक्षक द्वारा अपेक्षित” शब्दों के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति द्वारा अपेक्षित” शब्द रखे जाएंगे।

25. उक्त विनियम के विनियम 528 में “निरीक्षक द्वारा पश्चातवर्ती निरीक्षण” शब्दों के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति द्वारा पश्चातवर्ती निरीक्षण” शब्द रखे जाएंगे।

26. उक्त विनियम के विनियम 534क में,-

(i) उपविनियम (क) में “निरीक्षक” शब्द शब्द के स्थान पर, “यथास्थिति, निरीक्षक या सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ।

(ii) उपविनियम (ख) में “निरीक्षक” शब्द के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ।

27. उक्त विनियम के विनियम 536क में “राज्य निरीक्षक प्राधिकारी के मुख्य निरीक्षक बॉयलर” शब्दों के स्थान पर, “यथास्थिति, निरीक्षण प्राधिकारी या मुख्य निरीक्षक” शब्द रखे जाएंगे ।

28. उक्त विनियम के विनियम 562 के खंड (ड) के उपविनियम (4) में “आईबीआर निरीक्षक” अक्षरों और शब्दों के स्थान पर, “यथास्थिति, निरीक्षण प्राधिकारी या मुख्य निरीक्षक” शब्द रखे जाएंगे ।

29. उक्त विनियम के विनियम 606 में “निरीक्षण अधिकारी या निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर, “मुख्य निरीक्षक या सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ।

30. उक्त विनियम के विनियम 615 में “निरीक्षण अधिकारी या निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर, “यथास्थिति, मुख्य निरीक्षक या सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ।

31. उक्त विनियम के प्ररूप 2ख के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ प्ररूप 2ग

परिनिर्माण के दौरान निरीक्षण का निरीक्षण प्राधिकारी का प्रमाणपत्र

[विनियम 4(ग)(1)]

निरीक्षण प्राधिकारी का पदनाम

हम प्रमाणित करते हैं कि मेसर्स द्वारा विनिर्मित प्रकार का बॉयलर किलोग्राम/वर्ग प्रति सेंटीमीटर दाब पर कार्य करने के लिए बना है, के अधीन चिन्हीत संख्यांक हमारे पर्यवेक्षण के अधीन परिनिर्माण किया गया है और सक्षम व्यक्ति द्वारा परिनिर्माण की विभिन्न प्रक्रमों पर निरीक्षण किया गया है तथा परिनिर्माण समाधानप्रद है और कर्मकौशल भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923 के अधीन भूमि बॉयलर के परिनिर्माण के लिए मानक दशाओं के अनुसार हैं ।

सभी वेल्डिंग संधि रेखाएं उष्मोपचार और अविध्वंशात्मक परीक्षाओं जहां कहीं भी लागू हों वेल्डिंग के पश्चात् अध्यक्षीन संतोषजनक पाए गए हैं । सक्षम व्यक्ति की उपस्थिति में बॉयलर के परिनिर्माण के पूरे होने पर किलोग्राम पर स्क्वायर सेंटीमीटर की जल दाब परीक्षण के अधीन किया गया था और जांच संतोषजनक पाई गई है ।

हमारा यह समाधान हो गया है कि निर्माता के रेखांक सं..... में दर्शायी गई के अनुसार बॉयलर का परिनिर्माण हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास में सही है ।

सक्षम व्यक्ति के हस्ताक्षर

निरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख मास.....दिन.....वर्ष को हस्ताक्षरित ।” ।

32. उक्त विनियम के प्ररूप 6 में,-

(क) “निरीक्षक” शब्द के स्थान पर “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) “शर्तें” शीर्ष के अधीन क्रम सं. 2 के मद (घ) और (च) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखे जाएंगे, अर्थात् :-

“ (घ) अधिनियम की धारा 12 में यथाउपबंधित के सिवाय जब बॉयलर में या उसके साथ कोई संरचनात्मक परिवर्तन या परिवर्धन या नवीकरण किया जाता है ; या

(च) मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक के किसी आदेश की बॉयलर के स्वामी की संसूचना पर कि उसे इस आधार पर उपयोग न किया जाए कि वह या बॉयलर का उससे संबद्ध कोई संघटक किसी खतरनाक दशा में है।”।

33. उक्त विनियम के प्ररूप 9 में,-

(क) “निरीक्षक” शब्द के स्थान पर “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे ;

(ख) “शर्त” शीर्ष के अधीन क्रम सं. 2 के मद (घ) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखा जाएगा, अर्थात् :-

“ (घ) अधिनियम की धारा 12 में यथाउपबंधित के सिवाय जब भित्तोपयोजित में या उसके साथ कोई संरचनात्मक परिवर्तन या परिवर्धन या नवीकरण किया जाता है ; या”

34. उक्त विनियम के प्ररूप 19 में “निरीक्षक” शब्द या “बॉयलर निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

35. उक्त विनियम के अनुसूची अक और जख में “बॉयलर निरीक्षक” शब्दों के स्थान पर, “सक्षम व्यक्ति” शब्द रखे जाएंगे।

[फा. सं. 1(1)/2010-बॉयलर]

टी. एस. जी. नारायणन, सचिव

टिप्पण : मूल विनियम भारत के राजपत्र में सं. का.आ. 600, तारीख 15 सितम्बर 1950 द्वारा प्रकाशित किया गया था और निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा पश्चातवर्ती संशोधन किए गए, अर्थात् :-

- (i) सा.का.नि. 178, तारीख 24 मार्च, 1990 ;
- (ii) सा.का.नि. 179, तारीख 24 मार्च, 1990 ;
- (iii) सा.का.नि.488, तारीख 9 अक्टूबर, 1993 ;
- (iv) सा.का.नि.516, तारीख 23 अक्टूबर, 1993 ;
- (v) सा.का.नि.634, तारीख 25 दिसम्बर, 1993 ;
- (vi) सा.का.नि. 107, तारीख 26 फरवरी, 1994 ; शुद्धिपत्र सा.का.नि.223, तारीख 14 मई, 1994 ;
- (vii) सा.का.नि.250, तारीख 4 जून, 1994 ;
- (viii) सा.का.नि.402, तारीख 13 अगस्त, 1994 ;
- (ix) सा.का.नि.427, तारीख 20 अगस्त, 1994 ;
- (x) सा.का.नि.562, तारीख 12 नवम्बर, 1994 ;
- (xi) सा.का.नि.607, तारीख 10 दिसम्बर, 1994 ;
- (xii) सा.का.नि.83, तारीख 25 फरवरी, 1995 ;
- (xiii) सा.का.नि.93, तारीख 4 मार्च, 1995 ;

- (xiv) सा.का.नि.488, तारीख 9 नवम्बर, 1996 ;
- (xv) सा.का.नि.582, तारीख 28 दिसम्बर, 1996 ;
- (xvi) सा.का.नि.59, तारीख 25 जनवरी, 1997 ;
- (xvii) सा.का.नि.117, तारीख 1 मार्च, 1997 ;
- (xviii) सा.का.नि.172, तारीख 29 मार्च, 1997 ;
- (xix) सा.का.नि.221, तारीख 21 नवम्बर, 1998 ;
- (xx) सा.का.नि.131, तारीख 1 मई, 1999 ;
- (xxi) सा.का.नि.139, तारीख 8 मई, 1999 ; शुद्धिपत्र सा.का.नि.201, तारीख 7 अप्रैल, 2001
- (xxii) सा.का.नि.237, तारीख 31 जुलाई, 1999 ;
- (xxiii) सा.का.नि. 345, तारीख 23 अक्टूबर, 1999 ;
- (xxiv) सा.का.नि. 397, तारीख 14 अक्टूबर, 2000 ;
- (xxv) सा.का.नि.219, तारीख 14 अप्रैल, 2001 ;
- (xxvi) सा.का.नि.496, तारीख 8 सितम्बर, 2001 ;
- (xxvii) सा.का.नि.672, तारीख 15 दिसम्बर, 2001 ;
- (xxviii) सा.का.नि.127, तारीख 13 अप्रैल, 2002 ;
- (xxix) सा.का.नि. 407, तारीख 22 नवम्बर, 2003 ;
- (xxx) सा.का.नि. 201, तारीख 19 जून, 2004 ;
- (xxxii) सा.का.नि. 203, तारीख 19 जून, 2004 ;
- (xxxiii) सा.का.नि. 265, तारीख 7 अगस्त, 2004 ;
- (xxxiv) सा.का.नि. 32, तारीख 29 जनवरी, 2005 ;
- (xxxv) सा.का.नि. 66, तारीख 26 फरवरी, 2005 ;
- (xxxvi) सा.का.नि. 67, तारीख 26 फरवरी, 2005 ;
- (xxxvii) सा.का.नि. 423, तारीख 24 दिसम्बर, 2005 ;
- (xxxviii) सा.का.नि.27, तारीख 4 फरवरी, 2006 ;
- (xxxix) सा.का.नि. 201, तारीख 12 अगस्त, 2006 ;
- (xl) सा.का.नि. 280, तारीख 18 नवम्बर, 2006 ;
- (xli) सा.का.नि. 216, तारीख 17 मार्च, 2007 ;
- (xlii) सा.का.नि. 123, तारीख 27 जून, 2008 ;
- (xliii) सा.का.नि. 212, तारीख 4 दिसम्बर, 2008 ;

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Industrial Policy and Promotion)****(CENTRAL BOILERS BOARD)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th October, 2010

G.S.R. 821(E).— Whereas certain draft regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950 were published, as required by sub-section (1) of section 31 of the Boilers Act, 1923 (5 of 1923), in Part-II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India dated the 17th May, 2010, vide notification of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy and Promotion) (Central Boilers Board), number G.S.R. 409(E), dated the 13th May, 2010 for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of the period of forty-five days from the date on which the copies of the said Gazette notification were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public on the 19th May, 2010;

And whereas, the objections or suggestions have been received from various persons and stakeholders within the specified period in respect of the amendments contained in this notification and all the objections or suggestions have been duly considered;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 28 of the Boilers Act, 1923 (5 of 1923), the Central Boilers Board hereby makes the following regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, namely:--

1. Short title and commencement.- (1) These regulations may be called the Indian Boiler (Amendment) Regulations, 2010.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 2,

(i) sub-regulation (b), shall be omitted;

(ii) after sub-regulation (b), the following sub-regulation shall be inserted, namely:-

“(bb) “ Appraisal Committee” means a Committee constituted by the Central Boilers Board consisting of:

(a) Technical adviser(Boilers)- Chairman;

(b) Five Chief Inspectors or Director of Boilers from States [including Chief Inspectors or Directors of Boilers of the States in which registered offices of applicant firms or companies are located] - Members;

(c) Five Members from Board representing Central Government or Bureau of Indian Standards or Boiler and boiler component manufacturers or National Laboratories or Engineering Consultancy agencies or user of boilers and other interests ;

Note: Secretary, Central Boilers Board shall nominate the members;” ;

(iii) sub-regulation (c), shall be omitted;

(iv) after sub-regulation (cc), the following sub-regulation shall be inserted, namely:-

“(ccc)“Central Boilers Board Examination Standing Committee” means a Committee constituted by the Central Boilers Board consisting of:

(a) Technical adviser(Boilers)- Chairman

(b) Two Chief Inspectors or Director of Boilers from States - Members

(c) Two Members from Board representing Central Government or Bureau of Indian Standards or Boiler and boiler component manufacturers or National Laboratories or Engineering Consultancy agencies or user of boilers and other interests;

Note: Secretary, Central Boilers Board shall nominate the members;”;

(v) sub-regulation (d), shall be omitted;

(vi) sub-regulation (dd), shall be omitted;

(vii) sub-regulation (f), shall be omitted;

(viii) sub-regulation (g), shall be omitted;

(ix) sub-regulation (h), shall be omitted;

(x) sub-regulation (k), shall be omitted;

(xi) sub-regulation (m), shall be omitted;

(xii) sub-regulation (n), shall be omitted;

3. In the said regulations, in regulation 4A , in sub-regulation (1), for the words and brackets “ Ministry of Industry (Department of Industrial Development)” the words and brackets “ Ministry of Commerce and Industry(Department of Industrial Policy and Promotion)” shall be substituted.
4. In the said regulations, for the regulation 4B, the following regulation shall be substituted, namely:-

“ 4B. Scrutiny of Applications by the Evaluation Committee or the Appraisal Committee

(1) The Secretary, Central Boilers Board shall send all the applications except that for recognition as Inspecting Authority received under sub-regulation (1) of regulation 4A, along with replies to the questionnaire under sub-regulation (2) of regulation 4A, to the Evaluation Committee.

(2) For recognition as Inspecting Authority all the applications along with replies to the questionnaire shall be forwarded to the Appraisal Committee.

(3) The Evaluation Committee or the Appraisal Committee as the case may be shall examine all the applications and replies to the Questionnaire under sub-regulation (1) and—

(i) where the application is for recognition as Competent Authority or Inspecting Authority, the Evaluation Committee or the Appraisal Committee, as the case may be, may, (a) call any of the applicants if it considers necessary, to appear before it to give clarification for additional information that may be required by the said Committee; (b) visit any of the applicant firms on a specific request in writing from such firm or if decided so by the Appraisal Committee or the Evaluation Committee to evaluate the performance of the said firm and for this purpose the Appraisal Committee may depute three members to visit the applicant firm ;

(ii) where the applicants are for recognition as Well-known Material Testing Laboratory, Well-known Steel Maker, Well-known Foundry or Forge, Well-known Tube or Pipe Maker or Well-known Remnant Life Assessment Organisation, the Evaluation Committee shall inspect the laboratories of such Material Testing Laboratory and Remnant Life Assessment Organization or the factories of such steel makers, foundry or forge and tube or pipe makers, where the testing and manufacturing activities are being carried out in order to evaluate the performance quality of the tests conducted and products manufactured.

(4) The Evaluation Committee or the Appraisal Committee, as the case may be, after satisfying itself that the requirements specified in sub-regulations (1) and (2) are fulfilled, shall submit a report along with its recommendations to the Liaison Sub-Committee.”.

5. In the said regulations, in regulation 4C, in sub-regulation (1), for the words "Evaluation Committee" the words "Evaluation Committee or Appraisal Committee" shall be substituted.

6. In the said regulations, after regulation 4H, the following regulation shall be substituted, namely:-

"4I. Functions of Appraisal Committee.- The Appraisal Committee shall evaluate the performance of a firm applying for recognition as Inspecting Authority in accordance with the provisions of these regulations, in particular in the following areas, namely:—

- (i) the firm or company shall be a registered entity and for its operation in India the entity should be registered in India ;

Explanation.-For the purpose of this regulation it is hereby declared that the sole proprietorship firm is not eligible to apply for recognition as Inspecting Authority.

- (ii) the firm or company shall not be involved in any commercial activity other than the inspection, certification and related activities under the Indian and International codes and standards;
- (iii) the firm or company shall have in-house design and drawing inspection office and for operation in India the in-house design and drawing inspection office should be situated in India ;
- (iv) the firm or company shall have various codes in its office and the knowledge of various international codes along with the Boilers Act, 1923 and Indian Boiler Regulations 1950;
- (v) the firm or company shall have employed the competent persons possessing Central Boilers Board authorisation card for operation in India;
- (vi) the firm or company shall have a documented quality programme established and maintained to fulfill the inspection requirements as per Indian Boiler Regulations 1950;
- (vii) the firm or company shall have CV's of each and every competent person employed in its organisation for inspection and certification of boilers;
- (viii) the firm or company shall have a training programme for competent persons;
- (ix) the firm or company shall authorise not more than two competent persons per State to sign Indian Boiler Regulations forms on behalf of Inspecting Authority in India."

3923 GI/10-5

7. In the said regulations, after regulation 4I, the following regulation shall be inserted, namely:-

“4J. PROCEDURE FOR RECOGNITION OF COMPETENT PERSON

(1.) Introduction:-

(a) this regulation provides the requirements for the uniform qualification, examination, issuance and renewal of Central Boiler Board authorisation to act as a competent person;

(b) candidates meeting these requirements may be qualified to be issued a Central Boilers Board authorisation;

(c) Competent persons may be allowed to inspect and certify the boilers under the Boilers Act during manufacture, erection, operation and maintenance throughout India.

(2.) Minimum qualifications and experience:-

(a) must be a graduate in Mechanical Engineering from a recognized institution;

(b) minimum five years experience singly or cumulatively in the following fields related to boilers subject to the condition minimum of two years shall be in operation and maintenance of boilers, -

- (i) Design;
- (ii) Manufacture;
- (iii) Commissioning;
- (iv) Operation and maintenance;
- (v) Inspection and certification during manufacture or operation and maintenance;
- (vi) High Pressure Welding-Inspection;

(c) Level-II NDT Certificates from ISNT or any other professional body recognised by ISNT in Non Destructive methods of testing in radiography and ultrasonic testing.

(3.) Central Boilers Board Examination Process: (i) an examination shall be conducted by the Central Boilers Board Examination Standing Committee or an agency or Regional Examination Standing Committees authorised by it, as per the following methods namely:-

- (a) written Examination consisting of design, manufacture, operation and maintenance of the boiler, Non Destructive Testing Techniques, inspection and certification of boilers during manufacture and use as per Indian Boiler Regulations;
- (b) viva-voce on the above (30 % weightage shall be given for viva-voce);
- (c) the Central Boiler Board will issue a passing grade certificate to the candidate after passing the examination;

- (d) candidate shall secure at least 60 % marks in written examination as well as viva-voce in order to pass the examination;

(ii) application for appearing in the Central Boiler Board Examination Process shall be made in the format as provided by the Central Boilers Board Examination Standing Committee at such place and time as decided by the Central Boilers Board Examination Standing Committee or an agency or Regional Examination Standing Committees authorised by it.

(4.) Central Boilers Board Authorisation Process:-

- (i) the Competent Person shall perform the work without conflict of interest;
- (ii) an applicant for a Central Boiler Board Authorisation shall meet the following requirements, namely:-
 - (a) the applicant shall be in regular employment of, and exclusively engaged by a Central Boilers Board recognised Inspecting Authority;
 - (b) the applicant shall meet the minimum qualification and experience requirements as referred in sub-regulation 2 of this regulation;
 - (c) the applicant shall have taken and passed the Central Boilers Board examination as referred to in sub-regulation 3 of this regulation;
 - (d) the applicant shall apply for an authorisation not later than three years after passing the Central Boilers Board Examination and a person whose authorisation has not been issued within the three year period shall be required to take the Central Boiler Board Examination and receive a passing grade and
 - (e) the maximum age for the Competent Person shall be 65 years provided the person is medically fit;
- (iii) (a) when the applicant has met the eligibility requirements as referred in clause (ii) of sub-regulation 4 and at the request of the applicant's employer, a Central Boilers Board authorisation card and a certificate shall be issued;
- (b) the application for an authorisation shall be on forms obtained from the Central Boilers Board;
- (c) a Competent Person may possess only the valid authorisation card listing one employer;
- (iv) (a) the validity of each authorisation certificate shall be three years from the date of issue or in co-terminus with the validity period of recognition of employing Inspecting Authority whichever is earlier;
- (b) the Competent Person must be in regular employment of the Central Boiler Board recognised Inspecting Authority failing which the authorisation lapses;

- (c) if the Competent Person leaves the employment, Central Boilers Board Authorisation Card shall be surrendered by the Inspecting Authority to the Secretary, Central Boilers Board within a period of seven days;
 - (d) the request for renewal shall be made by Competent Person's employer and the request shall certify that the Competent Person maintained inspection proficiency by performing or supervising inspection activity and that the individual has met the continuing updation requirement as given in clause (f) of this sub-regulation;
 - (e) on change of employment, a request for authorisation card shall be made by the Competent Person's current employer on forms obtained from the Central Boilers Board;
 - (f) each Central Boilers Board authorised Competent Person, at least once every three years, shall either attend a Central Boilers Board seminar or receive other instruction related to inspections and the instruction may be in any format, e.g., classroom, home study, or web-based; the topics may include any subject of relevance to the inspection process, such as new methods, products, materials, technology or changes to construction or repair codes;
 - (g) a person whose authorisation has not been renewed for five years or less may, on proper application from the employer, have the authorisation reinstated;
 - (h) the employer shall provide verification of continuing updation as mentioned in clause (f) ;
 - (i) a person whose authorisation has not been renewed for more than five years shall be required to take the Central Boilers Board Examination and receive a passing grade;
- (v) (a) a Central Boilers Board authorisation may be revoked by the Secretary, Central Boilers Board for falsification of any statement contained in any application however the person may request reconsideration by the Secretary, Central Boilers Board;
- (b) when an evaluation reveals that a Central Boilers Board authorised Competent Person has been negligent in his duty or has made false statements on forms used for documentation of his duties, a Central Boilers Board committee formed for the purpose may examine the evaluation and recommend to the Secretary, Central Boilers Board, a suitable action against the Competent Person. The Secretary, Central Boilers Board shall take the final decision;
- (c) if any individual is aggrieved by a decision of the Secretary, Central Boilers Board, the individual has the right to appeal to the Central Boilers Board, through the Secretary, Central Boilers

Board and such appeal shall be within thirty days of the date of the decision;

(d) the decision of the Central Boilers Board shall be binding;

(e) any person aggrieved by,-

(i) an order made or purporting to be made by a Competent Person in the exercise of any power conferred by or under the Act; or

(ii) a refusal of a Competent Person to make any order or to issue any certificate which he is required or enabled by or under the Act to make or issue, may, within thirty days from the date on which such order or refusal is communicated to him, appeal against the order or refusal to the Chief Inspector of Boilers of the state in which the boiler is located;

(vi) a fee established by the Central Boiler Board Examination Standing Committee shall be paid for each authorisation issued, renewed or reinstated.

(5.) Use of Central Boilers Board Authorisation Number:- The Central Boilers Board authorisation number shall be recorded on all Indian Boiler Regulations forms used by him and on the items inspected and stamped as a proof of inspection and the authorisation number shall also be entered into the competent person's diary.

(6.) Competent Person's Diary:- (i) each Competent Person involved with new construction activities, in-service inspection and repairs and alterations under Indian Boiler Regulations must receive a separate diary from Central Boiler Board for each activity;

(ii) the request for the diary shall be routed through his employer Inspecting Authority;

(iii) the diary must be bound and the purpose of the diary is to provide a record of the Competent Person's activity and to support the continuity of inspections;

(iv) the Competent Person's diary is the property of the employer Inspecting Authority and must be available at the location of the inspection.

(v) the diary must be maintained for minimum of five years from the date of last entry and in due course diary may be maintained in digitised form with provision for online entries.

(7.) A. Duties and responsibilities of Competent Person.- (i) the Competent Person and owner shall inform the Chief Inspector of the concerned state at least thirty days in advance about the date of inspection fixed for a boiler;

(ii) Memorandum of Inspection Book shall be obtained from the concerned boiler inspectorates through the Inspecting Authority for in-service boilers which shall be returned within a period of five days from the date of completion of final inspection;

(iii) the Competent Person shall discharge the following duties at various stages, namely.-

3923GI/10-6

I. Inspection during manufacture, erection and commissioning.-

(a) work to the satisfaction of the Inspecting Authority for inspection during manufacture, erection and commissioning of boilers as per the provisions contained in the Indian Boiler Regulations ;

(b) inspect during manufacture and erection as per the procedure given in Appendix -J of Indian Boiler Regulations ;

II. In-service inspections.-

(a) verify whether the stamping or nameplate is legible and represents the item described on the inspection documentation;

(b) perform external and internal inspections and witness any required pressure tests;

(c) report the inspection results, including any nonconforming conditions, in the manner prescribed to the owner of the boilers;

III. Repairs and alterations under Indian Boiler Regulations.-

(a) verify that the boiler owner has informed in writing to the chief inspector and the activity is permitted under the scope of the certificate or the structural alteration, addition or renewal is made under his supervision;

(b) verify that the boiler repairer has the valid certificate under the Indian Boiler Regulations ;

(c) monitor the quality control system and verify the system is being implemented to the requirements of the Indian Boiler Regulations;

(d) verify that all material complies with the Indian Boiler Regulations;

(e) verify that all welding procedure specifications, procedure qualification records, and welder and welding operation records conform to the Indian Boiler Regulations ;

(f) verify that heat treatments as required under the Indian Boiler Regulations have been performed and properly documented;

(g) verify that nondestructive examinations and tests as required under the Indian Boiler Regulations have been performed and properly documented;

(h) witness pressure tests as required under the Indian Boiler Regulations ;

(i) verify that information in the Indian Boiler Regulations report forms is correct and that the details have been properly punched;

(j) verify that the stamping is correct.

B. Inspection Fee:-Competent Person may charge fee for the inspection subject to the condition that the fee shall not be less than the fee specified by the concerned State.

(8.) Inspection requirements:-

Inspection shall be carried out as per regulations 375 to 395G and the relevant certificate as per Indian Boiler Regulations shall be issued as follows, namely:-

(1) for in-service Boilers inspection:

- (a) one copy shall be given to the owner of boiler on the day of inspection ;
- (b) one copy shall be given to Chief Inspector along with the Memorandum of Inspection Book (Form-I);
- (c) one copy shall remain in Book.

(2) for inspection during manufacture:

- (a) one copy shall be given to the manufacturer;
- (b) one copy shall remain with Inspecting authority.

(3) for inspection during erection:

- (a) one copy shall be given to the owner of boiler;
- (b) one copy shall be given to Chief Inspector;
- (c) one copy shall remain with Inspecting authority.

8. In the said regulations, in regulations 4, 13, 14, 24, 26, 27, 56A, 73, 76, 79, 80, 151, 176, 237, 240, 248, 257, 258, 268, 290, 337, 536A, 561, 601, Forms II, IIA, IIB, IIIC, IIIG, VII, XVA and XVII and Appendices J and L, for the words " Inspecting officer" or for the words "Inspecting Officers" wherever they occur, the words "Competent Person " shall be substituted.
9. In the said regulations, in regulations 21, 22, 25, 32 and 360, for the words " Inspector or Inspecting officer" wherever they occur, the words "Competent Person " shall be substituted.
10. In the said regulations, in regulations 35, 89, 281, 330, 376, 378, 417, 526, 561 and Appendix D , for the word " Inspector" wherever they occur, the words "Competent Person " shall be substituted.
11. In the said regulations, in clause (ii) of sub-regulation (b) of regulation 4 and regulation 172A, for the words " Chief Inspector", wherever they occur, the words "Inspecting Authority " shall be substituted.
12. In the said regulations, in regulations 151, 337, 360, 362, 366 and sub-regulation (m) of regulation 379 , for the words " Chief Inspector" or for the words "Chief Inspector of Boilers" wherever they occur, the words "Inspecting Authority or Chief Inspector as the case may be" shall be substituted.
13. In the said regulations, in regulation 320, for the words " Chief Inspector/Director of Boilers of the manufacturing State" wherever they occur, the words "Inspecting Authority" shall be substituted.

14. In the said regulations, in regulation 379,-
- (i) in sub-regulations (g),(h),(j) and (m), for the word “Inspector” or for the word “Inspectors” wherever they occur, the words “Competent Person” shall be substituted;
 - (ii) in sub-regulation (m), for the words “Chief Inspector”, the words “Chief Inspector or the Inspecting Authority as the case may be ” shall be substituted.
15. In the said regulations, in regulation 386,-
- (i) in sub-regulation (b), for the word “Inspectors”, the words “Competent Person” shall be substituted.
 - (ii) in sub-regulation (c),-
 - (i) in the opening portion for the word “Inspectors”, the words “Inspectors or the Competent Person, as the case may be ,” shall be substituted;
 - (ii) for the word “Inspectors” occurring at the end, the words “Competent Person” shall be substituted.
16. In the said regulations, in regulation 390, for the word “Inspector”, wherever they occur [except in the second paragraph of sub-regulation (c)], the words “Competent Person” shall be substituted.
17. In the said regulations, in regulation 392 , for sub-regulation (7), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-
- “(7) In case the repairer is found indulging in violating the provisions of the Act or regulations knowingly or unknowingly, the firm shall be blacklisted under intimation to Chief Inspector or Director of Boilers of all the States and Union territories and Secretary, Central Boilers Board and renewal shall not be done in any case.”
18. (a) In the said regulations, in regulation 392A,- in clause (1) of sub-regulation (a), for the word “Inspector”, occurring at both the places the words “Inspector or the Competent Person, as the case may be ,” shall be substituted ;
- (b) in sub-regulation(d), for the word “Inspector”, the words “Competent Person” shall be substituted.
19. In the said regulations, in regulation 393,in sub-regulation (c), for the word “Inspector”, the words “Inspector or the Competent Person ,as the case may be ,” shall be substituted.

20. In the said regulations, in regulations 394, for the word “ Inspector”, wherever they occur [except in the first paragraph of sub-regulation (c)], the words “Competent Person” shall be substituted.
21. In the said regulations, in regulation 395, in sub-regulation (a), for the words “ Chief Inspector before construction or at the time of registration of boiler”, the words “Inspecting Authority before construction and to the Chief Inspector at the time of registration of boiler” shall be substituted.
22. In the said regulation, in regulation 395D, the words “Chief Inspector of the State” wherever they occur, the words “Inspecting Authority” shall be substituted.
23. In the said regulations ,in regulation 503, for the words “ Inspecting Officer” and for the words “ Inspecting Officer/our Test House Manager” , the words “Competent Person” shall be substituted.
24. In the said regulations, in regulation 527, for the words “ required by the Inspector”, the words “ required by the Competent Person” shall be substituted.
25. In the said regulations, in regulation 528, for the words “ At subsequent inspection the Inspector”, the words “ At subsequent inspection the Competent Person” shall be substituted.
26. In the said regulations , in regulation 534A, -
 - (i) in sub-regulation (a) , for the word “ Inspector”, the words “ Inspector or the Competent Person, as the case may be ,” shall be substituted;
 - (ii) in sub-regulation (b) for the word Inspector”, the words “Competent Person ” shall be substituted.
27. In the said regulations, in regulation 536A, for the words “ Chief Inspector of Boilers of the State Inspecting Authority”, the words “Inspecting Authority or Chief Inspector ,as the case may be,” shall be substituted.
28. In the said regulations , in regulation 562, in clause(e) of sub-regulation (4), for the letters and word “ IBR inspectors”, the words “Inspecting Authority or Chief Inspector, as the case may be,” shall be substituted.
29. In the said regulations, in regulation 606, for the words “ Inspecting Officer or Inspector”, the words “Chief Inspector or Competent Person” shall be substituted.

30. In the said regulations, in regulation 615, for the words “ Inspecting Officer or Inspector”, the words “Chief Inspector or Competent Person, as the case may be,” shall be substituted.
- 31 After Form II B of the said regulations, the following Form shall be inserted, namely:-

“ FORM II C

INSPECTING AUTHORITIES CERTIFICATE OF INSPECTION DURING ERECTION
[Regulation 4 (c) (1)]

Designation of Inspecting authority

We hereby certify that the.....type boilers working pressure.....kg/square cm built by Messrs..... at..... under makers numberwas erected under our supervision and inspected at various stages of erection by the Competent Person and that the erection and workmanship were satisfactory and in accordance with the Standard Conditions for construction of land boilers under the Indian Boilers Act, 1923.

All welded seams were subjected to post weld Heat treatment and Non-destructive examination wherever applicable and found satisfactory.

The boiler on completion of erection was subjected to a water pressure tests ofKg per Square cm in the presence of the Competent Person onand satisfactorily withstood the test.

We have satisfied ourselves that the erection of the boiler are as shown in the Maker's Drawing No.....are correct to the best of our knowledge and belief.

Signature of Competent Person

Signature of Inspecting authority

Dated atthis..... Day of20..... ”.

- 32 In Form VI of the said regulations, -
- (a) for the word “Inspector”, the words “Competent Person” shall be substituted;
- (b) under the heading “ conditions” in serial number (2),for the items (d) and (f), the following items shall be substituted, namely:-
- “(d) save as provided in section 12 of the Act, when any structural alteration, addition or renewal is made in or to the boiler; or
- (f) on the communication to the owner of the boiler of an order of the Chief Inspector or Inspector prohibiting its use on the ground that it or any boiler component attached thereto is in a dangerous condition.”.

33. In Form XI of the said regulations, -
 - (a) for the word "Inspector", the words "Competent Person" shall be substituted;
 - (b) under the heading " conditions", in serial number (2), for the items (d) ,the following item shall be substituted, namely:-
 - "(d) save as provided in section 12 of the Act, when any structural alteration, addition or renewal is made in or to the Economiser ;or "
34. In Form XIX of the said regulations, for the word "Inspector" or for the words "Inspector of Boilers", the words "Competent Person" shall be substituted.
35. In Appendices JA and JB of the said regulations, for the word "Inspector of Boilers", the words "Competent Person" shall be substituted.

[F.No. 1(1)/2010-Boilers]

T. S. G. NARAYANNEN, Secy.

Note : The principal regulations were published in the Gazette of India, *vide*, number S.O. 600, dated the 15th day of September, 1950 and subsequently amended, *vide*, the following notifications, namely:-

- (i) G.S.R. 178, dated the 24th March, 1990;
- (ii) G.S.R. 179, dated the 24th March, 1990;
- (iii) G.S.R. 488, dated the 9th October, 1993;
- (iv) G.S.R. 516, dated the 23rd October, 1993;
- (v) G.S.R. 634, dated the 25th December, 1993;
- (vi) G.S.R. 107, dated the 26th February, 1994; Errata G.S.R. 223, dated the 14th May, 1994;
- (vii) G.S.R. 250, dated the 4th June, 1994;
- (viii) G.S.R. 402, dated the 13th August, 1994;
- (ix) G.S.R. 427, dated the 20th August, 1994;
- (x) G.S.R. 562, dated the 12th November, 1994;
- (xi) G.S.R. 607, dated the 10th December, 1994;
- (xii) G.S.R. 83, dated the 25th February, 1995;
- (xiii) G.S.R. 93, dated the 4th March, 1995;
- (xiv) G.S.R. 488, dated the 9th November, 1996;
- (xv) G.S.R. 582, dated the 28th December, 1996;
- (xvi) G.S.R. 59, dated the 25th January, 1997;
- (xvii) G.S.R. 117, dated the 1st March, 1997;
- (xviii) G.S.R. 172, dated the 29th March, 1997;

- (xix) G.S.R. 221, dated the 21st November, 1998;
- (xx) G.S.R. 131, dated the 1st May, 1999;
- (xxi) G.S.R. 139, dated the 8th May, 1999; Errata G.S.R. 201, dated the 7th April, 2001;
- (xxii) G.S.R. 237, dated the 31st July, 1999;
- (xxiii) G.S.R. 345, dated the 23rd October, 1999;
- (xxiv) G.S.R. 397, dated the 14th October, 2000;
- (xxv) G.S.R. 219, dated the 14th April, 2001;
- (xxvi) G.S.R. 496, dated the 8th September, 2001;
- (xxvii) G.S.R. 672, dated the 15th December, 2001;
- (xxviii) G.S.R. 127, dated the 13th April, 2002;
- (xxix) G.S.R. 407, dated the 22nd November, 2003;
- (xxx) G.S.R. 201, dated the 19th June, 2004;
- (xxxi) G.S.R. 203, dated the 19th June, 2004;
- (xxxii) G.S.R. 265, dated the 7th August, 2004;
- (xxxiii) G.S.R. 32, dated the 29th January, 2005;
- (xxxiv) G.S.R. 66, dated the 26th February, 2005;
- (xxxv) G.S.R. 67, dated the 26th February, 2005;
- (xxxvi) G.S.R. 423, dated the 24th December, 2005;
- (xxxvii) G.S.R. 27, dated the 4th February, 2006;
- (xxxviii) G.S.R. 201, dated the 12th August, 2006;
- (xxxix) G.S.R. 280, dated the 18th November, 2006;
- (xl) G.S.R. 216, dated the 17th March, 2007;
- (xli) G.S.R. 123, dated the 27th June, 2008;
- (xlii) G.S.R. 212, dated the 4th December, 2008.